नईदुनिया

टाटा के आईफोन प्लांट पर पर्यावरण संकट, किसानों की शिकायत ने घेरा

जांच में सामने आया अपशिष्ट जल का रिसाव, कृषि भूमि और कुओं पर असर

नई दिल्ली

भारत में आईफोन उत्पादन बढ़ाने की एप्पल की महत्वकांक्षी रणनीति को उस समय एक झटका लगा है, जब उसके प्रमुख आपूर्तिकर्ताओं में से एक टाटा इलेक्ट्रानिक्स का तमिलनाडु के होसुर स्थित प्लांट गंभीर पर्यावरणीय विवादों में घिर गया है। तमिलनाडु प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (टीएनपीसीबी) ने आरोप लगाया है कि टाटा के इस प्लांट से छोड़ा गया अनुपचारित अपशिष्ट जल आसपास के कृषि क्षेत्रों और भूजल को प्रदूषित कर रहा है। बोर्ड ने कंपनी को चेतावनी दी है कि यदि संतोषजनक स्पष्टीकरण नहीं दिया गया तो प्लांट को बंद करने या उसकी बिजली आपूर्ति काटने जैसी कड़ी कार्रवाई की जा सकती है। अधिकारियों के अनुसार होसुर में स्थित यह फैक्ट्री आईफोन के बैक पैनल और अन्य प्रमुख पुर्जों का निर्माण करती है। स्थानीय किसानों ने महीनों से शिकायतें की थीं कि फैक्ट्री से निकलने वाला अपशिष्ट जल उनकी कृषि भूमि और खुले कुओं के पानी को प्रभावित कर रहा है। इन शिकायतों के बाद ही टीएनपीसीबी ने जांच शुरू की, जिससे यह मामला सामने आया। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब एप्पल चीन पर अपनी निर्भरता कम कर भारत में आईफोन उत्पादन को बढ़ावा देने पर जोर दे रही है, जिसमें टाटा इलेक्ट्रानिक्स एक अहम भागीदार है और दक्षिण एशिया में फाक्सकान के बाद एप्पल की दूसरी सबसे बड़ी आपूर्तिकर्ता मानी जाती है। 25 मई को जारी एक नियामकीय नोटिस के अनुसार राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने दिसंबर 2025 से मई 2026 के बीच पांच निरीक्षण किए। इन निरीक्षणों में पाया गया कि टाटा की फैक्ट्री से अपशिष्ट जल परिसर के भीतर स्थित वर्षा जल संचयन (रेनवाटर हार्वेस्टिंग) तालाब में छोड़ा जा रहा था। नोटिस में बताया गया है कि तालाब के ओवरफ्लो होने के कारण यह दूषित पानी आसपास की कृषि भूमि के भूजल तक पहुंच गया और उसे प्रदूषित कर दिया। टीएनपीसीबी ने अपनी चेतावनी में यह भी कहा कि 23 दिसंबर 2025 को दिए गए पहले निर्देशों के बावजूद टाटा ने स्थिति सुधारने के लिए कोई आवश्यक कदम नहीं उठाया। इस संबंध में टाटा इलेक्ट्रानिक्स ने एक बयान में कहा कि उसने एक मान्यता प्राप्त प्रयोगशाला द्वारा स्वतंत्र जांच कराई थी। कंपनी के अनुसार, इस अध्ययन में पाया गया कि वह सभी नियामकीय मानकों का पूरी तरह पालन कर रही है। टाटा ने जिम्मेदार कारोबारी गतिविधियों, पर्यावरण संरक्षण और स्थानीय समुदायों के हितों के प्रति प्रतिबद्धता दोहराई है और प्रदूषण नियंत्रण अधिकारियों को अपना जवाब सौंप दिया है, हालांकि कोई अतिरिक्त जानकारी साझा नहीं की गई। यह विवाद एप्पल की भारत में विनिर्माण विस्तार योजनाओं के लिए एक बड़ी चुनौती बन सकता है।

न्यूज ब्रीफ

नई एसयूवी निसान टेक्टोन जल्द होगी लान्च

नई दिल्ली । कार निर्माता कंपनी निसान अपनी नई एसयूवी टेक्टोन को जल्द ही लान्च करने की तैयारी में है। हाल ही में इस नई मिड-साइज एसयूवी को एक बार फिर टेस्टिंग के दौरान देखा गया है।

भारतीय बाजार में कंपनी की ओर से इसे औपचारिक रूप से नौ जुलाई को पेश किया जाएगा, तभी इसकी कीमत और विस्तृत जानकारी सामने आएगी। लगातार परीक्षण के दौर से गुजर रही निसान टेक्टोन को हाल ही में पूरी तरह से ढंके हुए देखा गया। इसे भारतीय बाजार में मिड-साइज एसयूवी सेगमेंट में उतारा जाएगा, जहां इसकी लंबाई, चौड़ाई और ऊंचाई इसी श्रेणी की अन्य एसयूवी के समान होने की उम्मीद है। डिजाइन के मामले में, इसमें कनेक्टेड एलईडी हेडलाइट्स, टेल लाइट्स, शार्क फिन एंटीना और 18 इंच के अलाय व्हील्स जैसे आधुनिक फीचर्स देखने को मिल सकते हैं। इंजन विकल्पों की बात करें तो, संभावना है कि टेक्टोन को टर्बो पेट्रोल और हाइब्रिड इंजन के साथ लान्च किया जाएगा। इसमें 1.3 लीटर स्ट्रान्ग हाइब्रिड और 1.8 लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन के विकल्प दिए जा सकते हैं, जिन्हें मैनुअल और आटोमैटिक दोनों तरह के ट्रांसमिशन के साथ पेश किया जाएगा। लान्च के समय ही इसके फीचर्स और स्पेसिफिकेशंस की सही जानकारी मिलेगी। निसान टेक्टोन का मुकाबला हुंडई क्रेटा, किआ सेल्टोस, होंडा एलिवेट, महिंद्रा स्कार्पियो और टाटा हैरियर जैसी लोकप्रिय एसयूवी से होगा।

मैकलारेन अपनी गाड़ियों की कीमतों में भारी कटौती की तैयारी में

नई दिल्ली। ब्रिटेन की मशहूर सुपरकार निर्माता कंपनी मैकलारेन अपनी गाड़ियों की कीमतों में भारी कटौती करने की तैयारी में है। इस सुपर कार के कुछ माडल दो से तीन करोड़ रुपये तक सस्ते हो सकते हैं। यह कदम भारत और ब्रिटेन के बीच हुए मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) का सीधा लाभ ग्राहकों तक पहुंचाने वाला पहला बड़ा उदाहरण बन सकता है। ताजा रिपोर्टों के अनुसार, मैकलारेन अपनी भारतीय माडलों की कीमतों में लगभग 38 प्रतिशत तक की कमी कर सकती है, जो भारतीय सुपरकार बाजार के इतिहास में सबसे बड़ी मूल्य कटौतियों में से एक होगी। वर्तमान में, मैकलारेन 750एस कूपे की कीमत लगभग 7.94 करोड़ रुपये है, जो संभावित कटौती के बाद 4.94 करोड़ रुपये तक आ सकती है। इसी तरह, 750एस स्पाइडर और जीटीएस ग्रैंड टूरर जैसे माडलों की कीमतों में भी अनुमानित रूप से 2.3 करोड़ से 3.3 करोड़ रुपये तक की कमी देखने को मिल सकती है। इस संभावित मूल्य कटौती का मुख्य कारण भारत-ब्रिटेन एफटीए है, जिसके तहत उच्च क्षमता वाले ब्रिटिश वाहनों पर लगने वाले आयात शुल्क में चरणबद्ध कमी का प्रस्ताव है। नई व्यवस्था में 3000 सीसी से अधिक के पेट्रोल इंजन और 2500 सीसी से अधिक के डीजल इंजन वाले वाहनों पर आयात शुल्क को पहले वर्ष में 110 प्रतिशत से घटाकर 30 प्रतिशत किया जा सकता है, जो पांच वर्षों में 10 प्रतिशत तक पहुंच जाएगा। मैकलारेन के 750एस और जीटीएस माडल 4.0 लीटर ट्विन टर्बो वी-8 इंजन के साथ इस नई कर श्रेणी के अंतर्गत आते हैं।

रीबाक की भारत में बिक्री दोगुनी, हर साल 50 नए स्टोर खोलने की तैयारी

नई दिल्ली। खेलों के लिए जूते और परिधान बनाने वाले प्रतिष्ठित ब्रांड रीबाक ने भारत में शानदार वापसी की है। आदित्य बिड़ला लाइफस्टाइल ब्रांड्स लिमिटेड (एबीएलबीएल) के तहत इसकी बिक्री पिछले तीन साल में दोगुना से अधिक हो गई है। कंपनी अब इस सफलता को आगे बढ़ाते हुए देश भर में अपनी उपस्थिति और मजबूत करने की तैयारी में है। एबीएलबीएल के मुताबिक इस अवधि में रीबाक के स्टोर की संख्या 210 से अधिक हो गई है। भारत में विस्तार की अभी भी व्यापक संभावनाएं हैं, जिसे देखते हुए कंपनी अगले कुछ सालों तक हर वर्ष 40 से 50 नए स्टोर खोलने की महत्वाकांक्षी योजना पर काम कर रही है। उप प्रबंध निदेशक ने बताया कि नए उत्पादों की मांग बिक्री को गति दे रही है और रीबाक की वृद्धि दर मजबूत बनी हुई है। हाल ही में लान्च की गई मल्टी-कोर्ट शूज की श्रृंखला को बाजार से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। रीबाक छोटे शहरों और उभरते खुदरा केंद्रों में अपनी उपस्थिति बढ़ाने पर विशेष ध्यान दे रहा है, जहां बड़े अवसर मौजूद हैं। उल्लेखनीय है कि 2021 में आदित्य बिड़ला फैशन एंड रिटेल लिमिटेड (एबीएफआरएल) ने आर्थेटिक ब्रांड्स ग्रुप से रीबाक के भारत और आसियान देशों के लिए लाइसेंसिंग अधिकार प्राप्त किए थे, जिसे बाद में एबीएलबीएल के अंतर्गत शामिल किया गया। उत्पाद नवाचार, श्रेणी विस्तार और नए बाजारों में पहुंच बढ़ाने की रणनीति पर चलते हुए कंपनी रीबाक की सतत वृद्धि को लेकर आश्वस्त है।

वैश्विक संकेतों, फेड निर्णय और कच्चे तेल के रुख से तय होगी शेयर बाजार की दिशा

विश्लेषकों की निगाहें महंगाई आंकड़ों, अमेरिकी फेडरल रिजर्व की घोषणा और भू-राजनीतिक घटनाक्रम पर

मुंबई

भारतीय शेयर बाजार की दिशा इस सप्ताह मुख्य रूप से वैश्विक संकेतों, अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दर संबंधी निर्णय और कच्चे तेल की कीमतों के रुख से निर्धारित होगी। विश्लेषकों का कहना है कि मई के महंगाई आंकड़े और अमेरिका-ईरान के बीच संभावित समझौते जैसे भू-राजनीतिक घटनाक्रम भी बाजार की धारणा को प्रभावित करेंगे। स्थानीय शेयर बाजार के लिए यह सप्ताह कई महत्वपूर्ण घटनाक्रमों से भरा रहने वाला है, जिनकी बदौलत बाजार की दिशा तय होगी। विश्लेषकों ने राय जताई है कि घरेलू स्तर पर मई माह के थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति के आंकड़े महत्वपूर्ण रहेंगे। वैश्विक स्तर पर 16-17 जून को होने वाली अमेरिकी फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की बैठक और उसके निर्णय पर निवेशकों की करीबी नजर रहेगी। बाजार भागीदार फेडरल रिजर्व की टिप्पणियां, महंगाई के दृष्टिकोण, आर्थिक वृद्धि के अनुमान और भविष्य में ब्याज दरों में कटौती के संकेतों का विश्लेषण करेंगे। इसके अतिरिक्त अमेरिका और ईरान के बीच रविवार को संभावित शांति समझौता बाजार के लिए एक अहम भू-राजनीतिक घटनाक्रम होगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने समझौते पर हस्ताक्षर और रणनीतिक महत्व वाले होर्मुज जलडमरूमध्य को सभी के लिए तुरंत खोलने की बात कही है, हालांकि असफल होने पर नए हमलों की संभावना का संकेत भी दिया है। इस समझौते की उम्मीदों से ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतों में पहले ही गिरावट आई है, जो भारत जैसे बड़े तेल आयातक देश के लिए एक अत्यंत सकारात्मक संकेत है। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की गतिविधियां भी बाजार की दिशा तय करेंगी। जून के पहले पखवाड़े में एफपीआई भारतीय शेयरों से 62,853 करोड़ रुपये से अधिक की निकासी कर चुके हैं।

तेल-तिलहन बाजार में मिला-जुला रुख, सोयाबीन-पाम में गिरावट, सरसों में सुधार, अमेरिका-ईरान तनाव टलने से स्थानीय मांग प्रभावित

नई दिल्ली। बीते सप्ताह तेल-तिलहन बाजारों में मिला-जुला रुख रहा। अमेरिका-ईरान के बीच युद्ध की आशंका टलने से स्थानीय मांग कमजोर पड़ी, जिससे सोयाबीन तेल, कच्चा पामतेल और पामोलीन के साथ-साथ मूंगफली तेल के दाम में गिरावट दर्ज की गई। वहीं सरसों और बिनौला तेल में मामूली सुधार देखा गया। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, कमजोर मांग और आयातकों की लागत से नीचे बिकवाली के कारण सोयाबीन तेल व पाम-पामोलीन तेल के दाम घटे। मूंगफली की गर्मी की फसल की आवक बढ़ने से भी इसकी कीमतों पर भारी दबाव रहा, जिससे मूंगफली तेल-तिलहन में नरमी आई। हालांकि, सरसों की कमजोर आवक के कारण इसके दाम में मामूली सुधार हुआ, जबकि नगण्य उपलब्धता के चलते बिनौला तेल में हल्की मजबूती दर्ज की गई। सोयाबीन तिलहन के दाम तेल रहित खल (डीओसी) की सामान्य मांग के कारण स्थिर बने रहे। सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 25 रुपये के सुधार के साथ 7,675-7,700 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों तेल 100 रुपये के सुधार के साथ 15,650 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल क्रमशः 5-5 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 2,585-2,685 रुपये और 2,585-2,730 रुपये टिन (15 किलो) पर मजबूत बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाना और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमशः 6,975-7,025 रुपये और 6,825-6,900 रुपये प्रति क्विंटल पर स्थिर रुख के साथ बंद हुए। दूसरी ओर दिल्ली में सोयाबीन तेल 100 रुपये की गिरावट के साथ 15,600 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन इंदौर तेल 100 रुपये की गिरावट के साथ 15,550 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल 50 रुपये की गिरावट के साथ 12,000 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। गर्मी की फसल आने के बीच बीते सप्ताह मूंगफली तिलहन का दाम 25 रुपये की गिरावट के साथ 6,575-7,150 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 220 रुपये की गिरावट के साथ 15,480 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 30 रुपये की गिरावट के साथ 2,460-2,760 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सीपीओ तेल का दाम 125 रुपये की गिरावट के साथ 13,675 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलीन दिल्ली का भाव 50 रुपये की गिरावट के साथ 15,550 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव भी 50 रुपये की गिरावट के साथ 14,350 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।कम उपलब्धता के बीच मांग बढ़ने से बिनौला तेल का दाम 50 रुपये के मामूली सुधार के साथ 16,000 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

मोदी-रोड्रिगेज की मुलाकात दोनों देशों के संबंधों में एक नए अध्याय की शुरुआत

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वेनेजुएला की उपराष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज के बीच हालिया मुलाकात ने दोनों देशों के संबंधों में एक नए अध्याय की शुरुआत की है, खासकर ऊर्जा क्षेत्र में। यह मुलाकात वेनेजुएला को भारत के ऊर्जा विचार-विमर्श में फिर से शामिल कर रही है, जो एक दशक पहले नाटकीय रूप से खत्म हो चुकी पुरानी साझेदारी की वापसी का स्पष्ट संकेत है। एनर्जी ट्रैकर्स के अनुसार भारी मात्रा में छूट पर कच्चा तेल खरीदे जाने के बावजूद, मई 2026 तक वेनेजुएला के भारत के लिए तीसरा सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता बनकर उभरने की उम्मीद है।

एक समय था जब 2013-14 में भारत ने वेनेजुएला से लगभग 14 अरब डालर का कच्चा तेल आयात किया था, जिससे यह लैटिन अमेरिकी देश भारत के सबसे महत्वपूर्ण तेल साझेदारों में से एक बन गया था। 2010 के दशक में, भारत के कुल कच्चे तेल के आयात में वेनेजुएला की हिस्सेदारी लगभग 10 प्रतिशत थी, और यह शीर्ष आपूर्तिकर्ताओं में से एक था।

एकतरफा रिश्ता, पुनरुत्थान से भारत की ऊर्जा सुरक्षा में विविधता आएगी

हालांकि, 2016-17 से इसका दबदबा कम होना शुरू हुआ और 2020-21 के बाद यह लगभग पूरी तरह से खत्म हो गया। अमेरिकी प्रतिबंधों, राजनीतिक अस्थिरता और शिपिंग में रुकावटों ने वेनेजुएला के तेल निर्यात को गंभीर रूप से प्रभावित किया, जिससे भारत के कुल आयात में उसकी हिस्सेदारी लगभग न के बराबर रह गई। इसके विपरीत निर्यात के मोर्चे पर, भारत से वेनेजुएला को होने वाला निर्यात हमेशा कम रहा है, जो ज्यादातर सालाना 10 करोड़ डालर से 50 करोड़ डालर के बीच रहा। यह आयात बिल का एक छोटा सा हिस्सा था और इसमें विनिर्मित सामान, रसायन और औद्योगिक उत्पाद शामिल थे। यह दर्शाता है कि भले ही तेल ने इस रिश्ते को परिभाषित किया, गैर-तेल व्यापार तुलनात्मक रूप से सीमित और स्थिर रहा।

बीएमडब्ल्यू और मिनी ब्रांड की सभी गाड़ियों की कीमतों में होगी बढ़ोतरी

नई दिल्ली। आगामी 1 जुलाई 2026 से बीएमडब्ल्यू समूह इंडिया ने अपनी बीएमडब्ल्यू और मिनी ब्रांड की सभी गाड़ियों की कीमतों में दो प्रतिशत तक की बढ़ोतरी लागू करने का निर्णय लिया है। कंपनी के अनुसार, बढ़ती परिचालन लागत, मुद्रा विनिमय दरों में उतार-चढ़ाव और परिवहन व्यय में लगातार वृद्धि के कारण यह मूल्य वृद्धि अपरिहार्य हो गई है, ताकि प्रीमियम स्तर और गुणवत्ता मानकों को बनाए रखा जा सके। बीएमडब्ल्यू समूह इंडिया भारतीय बाजार में कुल 23 माडल उपलब्ध करा रहा है। इनमें 2 सीरीज ग्रैन कूपे, 3 सीरीज लान्ग व्हीलबेस, एक्स1, एक्स3, एक्स5, एक्स7 जैसे स्थानीय रूप से निर्मित माडल शामिल हैं, जबकि आई5 एम60, आई7, एम4 काम्पिटिशन और एक्सएम जैसे प्रीमियम वाहन आयात किए जाते हैं। वर्तमान में, बीएमडब्ल्यू की सबसे किफायती कार 2 सीरीज ग्रैन कूपे है, जिसकी दिल्ली में प्रारंभिक एक्स-शोरूम कीमत लगभग 45.80 लाख रुपये है, वहीं एक्सएम सबसे महंगा माडल है, जिसकी कीमत 2.54 करोड़ रुपये से अधिक है। दो प्रतिशत की वृद्धि के बाद इन सभी माडलों की कीमतों में इजाफा होगा। बीएमडब्ल्यू समूह के अंतर्गत आने वाले मिनी ब्रांड के वाहनों पर भी समान असर पड़ेगा। मिनी भारत में पांच प्रमुख माडल बेचती है, जिनमें मिनी कूपर, मिनी कूपर एस कन्वर्टिबल और मिनी कंट्रीमैन शामिल हैं। मिनी कूपर इस ब्रांड का सबसे किफायती माडल है जिसकी कीमत 44.45 लाख रुपये है, जबकि मिनी कंट्रीमैन सबसे महंगा माडल है जो 66.15 लाख रुपये तक पहुंचता है। कंपनी जल्द ही मिनी कंट्रीमैन सी माडल भी लान्च करने की तैयारी में है।

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट, फीकी पड़ी सोना और चांदी की चमक

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट का रुख बना हुआ है। भाव में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,49,070 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,51,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना 1,36,640 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,38,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी कमजोरी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,59,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,49,220 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,36,790 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,49,070 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,36,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,49,120 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,36,690 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,51,190 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,38,590 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,49,070 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,36,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,49,120 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,36,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,49,220 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,36,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,49,120 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,36,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,49,220 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,36,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने के भाव में मामूली कमजोरी दर्ज की गई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,49,070 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,36,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

ग्लोबल मार्केट से पाजिटिव संकेत, एशिया में भी चौतरफा तेजी का रुख

नई दिल्ली

अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौता होने की पुष्टि के बाद ग्लोबल मार्केट से पाजिटिव संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे थे। डाउ जान्स फ्यूचर्स भी बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार खरीदारी होती रही। इसी तरह एशियाई बाजार में भी मजबूती के साथ कारोबार हो रहा है।

पश्चिम एशिया का तनाव खत्म होने और होर्मुज स्ट्रेट के खुलने की उम्मीद की वजह से अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान उत्साह का माहौल बना रहा। इसके साथ ही स्पेसएक्स के शेयरों की पहली लिस्टिंग के दौरान आई जबरदस्त तेजी की वजह से वाल स्ट्रीट के सूचकांक बढ़त के साथ बंद हुए। डाउ जान्स इंडस्ट्रियल एवरेज 353.51 अंक यानी 0.70 प्रतिशत उछल कर 51,202.26 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह एस एंड पी 500 इंडेक्स ने 0.50 प्रतिशत की तेजी के साथ 7,431.46 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 0.31 प्रतिशत की उछाल के साथ 25,888.84 अंक के स्तर पर बंद हुआ। वहीं डाउ जान्स फ्यूचर्स फिलहाल 436.46 अंक यानी 0.85 प्रतिशत की बढ़त के साथ 51,638.72 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

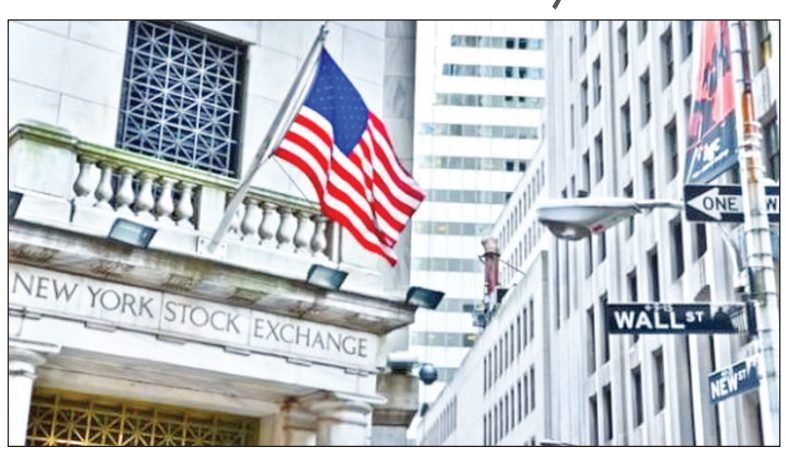

अमेरिकी बाजार की तरह ही यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार उत्साह का माहौल बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 167.84 अंक यानी 1.60 प्रतिशत की मजबूती के साथ 10,471.72 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 150.07 अंक यानी 1.80 प्रतिशत की तेजी के साथ 8,350.87 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 425.59 अंक यानी 1.73 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,635.30 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में भी चौतरफा खरीदारी हो रही है। एशिया के सभी नौ बाजार के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं। गिफ्ट निफ्टी 302 अंक यानी 1.28 प्रतिशत की तेजी के साथ 23,930.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 1.03 प्रतिशत की बढ़त के साथ 5,077.44 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। कोस्पी इंडेक्स ने जोरदार छलांग लगाई है। फिलहाल यह सूचकांक 441.80 अंक यानी 5.44 प्रतिशत उछल कर 8,565.42 अंक के स्तर पर आ गया है। इसी तरह निक्केई इंडेक्स 3,205.96 अंक यानी 4.86 प्रतिशत की मजबूती के साथ 69,226 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 247.73 अंक यानी 4.12 प्रतिशत की तेजी के साथ 6,255.39 अंक के स्तर पर, ताइवान वेटेड इंडेक्स 1,192.70 अंक यानी 2.70 प्रतिशत की छलांग लगा कर 45,361.74 अंक के स्तर पर, शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.92 प्रतिशत उछल कर 4,068.58 अंक के स्तर पर, हैंग सेंग इंडेक्स 118.90 अंक यानी 0.48 प्रतिशत की उछाल के साथ 24,837 संघ के स्तर पर और सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.23 प्रतिशत की मजबूती के साथ 1,596.08 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।